सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक :सा॰ 362/2025 दिनांक : 26.05.2025

कार्यालय-ज्ञाप

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी, सचिवालय,उत्तर प्रदेश के पत्र संख्या 3070/32-जी.एस./2025 दिनांक 15 मई, 2025 के आदेशानुसार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित थीम 'Yoga for One Earth, One Health' पर आयोजित होने वाले विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं अपेक्षित बिन्दुओं पर सूचना प्रेषित किये जाने हेतु अधोलिखित महानुभावों की समिति गठित किया जाता है -

1. प्रो. शैलेश कुमार मिश्र (समस्त कार्यक्रम)	- नोडल अधिकारी
2. प्रो. राघवेन्द्र जी दूबे (योग कार्यक्रम)	- समन्वयक
3. डॉ0 रविशंकर पाण्डेय.	- सहायक कार्यक्रम अधिकारी
4. निदेशक प्रकाशन /उद्यान प्रभारी	- सदस्य
5. प्रभारी सम्पत्ति	- सदस्य

इस पर कुलपति महोदय की स्वीकृति प्राप्त है।

26/5/2025

संलग्नक-यथोक्त

(राकेश कुमार)
आई॰ए॰एस॰
कुलसचिव

प्रतिलिपि- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
3. समिति के समस्त महानुभाव।
4. निदेशक, प्रकाशन/प्रभारी उद्यान को उद्यान सज्जा हेतु।
5. सिस्टम एनालिस्ट को विश्वविद्यालय के बेबसाइट पर प्रदर्शित कराने हेतु।
6. समस्त सहायक कुलसचिव
7. प्रभारी सम्पत्ति को आवश्यक व्यवस्था हेतु।
8. अधीक्षक,प्रशासन/लेखा।
9. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
10. समस्त विभागानुभाग।
11. सम्बद्ध पत्रावली।

(राकेश कुमार)
आई॰ए॰एस॰
कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

ई-मेल द्वारा

राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ–226027

पत्रांकः ई– 3070/32–जी.एस./2025
दिनांकः 15 मई, 2025

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलपति/निदेशक
समस्त राज्य विश्वविद्यालय/संस्थान,
उत्तर प्रदेश।

विषयः अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (दिनांक 21.06.2025) के सम्बन्ध में माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में दिनांक 05.05.2025 को सम्पन्न हुई बैठक में दिये गये निर्देशानुसार "Yoga for One Earth, One Health" निर्धारित थीम पर कार्य योजना तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा विश्वविद्यालयों/संस्थानों में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए निम्नलिखित 10 प्रकार के कार्यक्रम करने हेतु सुझाव प्रदान किए गए हैं:–

1. **'विरासत से विकास: योग की भूमिका'** –
   इस विषय पर एक विचारोत्तेजक परिचर्चा का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें विषय विशेषज्ञ योग के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालेंगे।
2. **'एक साथ योग: संकल्प और सामूहिकता का प्रतीक'**–
   विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय परिसर में भव्य योग प्रदर्शन का आयोजन किया जाए, जिसमें एक ही दिन में कम से कम 51,000 प्रतिभागी एक साथ योगाभ्यास करें, जो एकता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनेगा।
3. **'अंतर्राष्ट्रीय योग संगोष्ठी: ज्ञान और अनुभव का संगम'**–
   एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया जाए, जिसमें देश–विदेश के योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता और Practitioner अपने ज्ञान और अनुभवों का साझा करें।
4. **'योग वाटिका (पार्क): प्रकृति और शांति का आशियाना'** –
   विश्वविद्यालय में एक मनमोहक योग पार्क विकसित किया जाए, जो प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हो और जहाँ विद्यार्थी एवं शिक्षक शांत वातावरण में योगाभ्यास कर सकें।

Scanned with OKEN Scanner

5. **'योग साहित्यः ज्ञान का अक्षय भंडार (योग पर पुस्तक प्रकाशन)'** – योग के विभिन्न पहलुओं पर उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों का प्रकाशन किया जाए, जो न केवल विश्वविद्यालय समुदाय बल्कि व्यापक समाज के लिए भी ज्ञान का स्रोत बनें।

6. **'चंदन वाटिका एवं तालाबः प्रकृति की गोद में विश्राम'** – विश्वविद्यालय में सुगंधित चंदन के वृक्षों से युक्त वाटिका और एक शांत तालाब विकसित किया जाए, जो एक आकर्षक पिकनिक स्थल के रूप में विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रकृति के करीब आने और योग अभ्यास करने तथा विश्राम करने का अवसर प्रदान करें।

7. **'योग मैराथनः स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम'** – समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने के लिए एक ऊर्जावान योग मैराथन का आयोजन किया जाए, जो स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को बढ़ावा दे।

8. **'सामूहिक सूर्य नमस्कारः ऊर्जा और एकाग्रता का अनुभव'** – विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में एक साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में ऊर्जा का संचार हो और एकाग्रता में वृद्धि हो।

9. **'रोग निवारण में योगः वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष'**– विभिन्न रोगों पर योग के सकारात्मक प्रभावों पर वैज्ञानिक शोध और शोध पत्रों को प्रोत्साहित किया जाए और उनके निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाए।

10. **'प्रकृति का महत्वः एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी' (पेड़ की उपयोगिता पर प्रदर्शनी)** पेड़ों की उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली एक जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए, जिससे प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़े।

अतः उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा दिये गये उक्त सुझावों के अनुसार दिनांक 01.06.2025 से सभी विश्वविद्यालय/संस्थान तथा संबंधित महाविद्यालयों में अपने तरीके से समय सारणी बनाकर अपने–अपने विश्वविद्यालय/संस्थान तथा सम्बन्धित सभी महाविद्यालयों में कार्यक्रम कराएं। उपर्युक्त समस्त दस कार्यक्रम सभी के लिए करना अनिवार्य है।

भवदीय,

(डॉ. पंकज एल. जानी)
कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1. विशेष सचिव श्री राज्यपाल, उ.प्र.।
2. परिसहाय (ए./पी.) श्री राज्यपाल, उ.प्र.।
3. अपर मुख्य सचिव के निजी सचिव को अपर मुख्य सचिव महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

(हेमन्त कुमार चौधरी)
कुलाधिपति के उप सचिव।

Scanned with OKEN Scanner